खान्देश शिक्षण मंडल संचलित एवं

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,

जलगाँव से संलग्न

प्रताप महाविद्यालय (स्वायत्तशासी)

अमलनेर-425401, जिला-जलगाँव (महाराष्ट्र)

Pratap College (Autonomous)

Amalner-425401 Dist-Jalgaon (M.H.)

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

पाठ्यक्रम (Syllabus)

(पुनर्गठित) (Revised) (जून 2024 एवं जून 2025 से)

U.G. Certificate (S.Y.B.A.) N.E.P. 2020 के अनुसार

(तृतीयएवं चतुर्थ सत्र) (III & IV Semester)

हिंदी विभाग (Dept. of Hindi)

(शैक्षिक कालावधी -- जुन 2024 से मई 2027 तक)

द्वितीय वर्ष कला - पाठ्यक्रम (NEP 2020 नुसार)

(पूननिर्धारण एवं क्रियान्वयन - जून 2025 से)

UG Certificate (LEVEL 5.0) S.Y.B.A. (Sem. III & IV)

SYLLABUS STRUCTURE WITH SUBJECT TITLE AS NEP-2020

तृतीय सत्र (Sem. III)

S.N.	Subject	Paper Code	Paper Title	Credits	Lec./ Week
1)	HIN-MJ-231	DSC-07	भारतीय काव्यशास्त्र (1)	2	2
2)	HIN-MJ-232	DSC-08	हिंदी उपन्यास विधा	4	4
3)	HIN-IKS-233	DSC-09	भारतीय ज्ञान परंपरा : रस एवं अलंकार सिद्धांत	2	2
4)	HIN-VSC-234	VSC-01	अनुवाद कौशल	2	2
5)	HIN-SEC-235	SEC-01	शोध निबंध लेखन	4	4
6)	HIN-MN-236	MIN-01	प्रयोजनमूलक हिंदी	2	2
7)	HIN-OE-237	OE-03	हिंदी पटकथा लेखन	2	2
8)	HIN-AEC-238-B (MIL)	AEC-03	हिंदी लघुकथाएँ	2	2
9)	HIN-CC-239	CC-03	CC-239-A to E	2	2
कुल श्रेयांक एवं तासिकाएँ				22	22

चतुर्थ सत्र (Sem. IV)

S.N.	Subject	Paper Code	Paper Title	Credits	Lec./ Week
1)	HIN-MJ-241	DSC-10	भारतीय काव्यशास्त्र (2)	2	2
2)	HIN-MJ-242	DSC-11	हिंदी नाटक विधा	4	4
3)	HIN-PW-243	OJT/ FW	भारतीय डाकघर/बिमा कार्यालयों में वर्तमान हिंदी की कार्यप्रणाली : एक अध्ययन (Project Work : Hindi)	2	2
4)	HIN-VSC-244	VSC-02	हिंदी का भाषिक संप्रेषण	2	2
5)	HIN-SEC-245	SEC-02	पुस्तक समीक्षा लेखन	2	2
6)	HIN-MN-246	MIN-02	कथेतर हिंदी गद्य विधाएँ	2	2
7)	HIN-OE-247	OE-04	हिंदी का व्यावसायिक लेखन	2	2
8)	HIN-AEC-248-B (MIL)	AEC-04	हिंदी के नवगीत	4	4
9)	HIN-CC-249	CC-04	CC-249-A to E	2	2
कुल श्रेयांक एवं तासिकाएँ				22	22

DSC : Discipline Specific Core
GE/OE : Generic Elective/Open Elective
SEC : Skill Enhancement Course
VEC : Value Education Course
CC : Co-curricular Course
CC : Co-curriular Course
MIN : Minor Subject
VSC : Vocational Skill Course
AEC : Ability Enhancement Course
IKS : Indian Knowledge System
OJT : On Job Training
P.W. : Project Work

तृतीय सत्र (Sem-III)

DSC-07-HIN-MJ-231 : भारतीय काव्यशास्त्र

(Indian Poetics) (1) (Credit-2)

उद्देश्य:1) **प्राचीन भारतीय काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय कराना.**

2) **काव्यशास्त्र के प्रति छात्रो में रूचि निर्माण करना.**

3) **काव्य अथवा साहित्य के विभिन्न भेदों से परिचित कराना.**

4) **मुख्य अलंकारों से परिचित कराना.**

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : **क)** **काव्य अथवा साहित्य की अंग्रेजी,संस्कृत हिंदी की परिभाषाएं एवं व्याख्या.** (10 Hrs)

ख) **काव्य के हेतु : प्रतिभा,व्युत्पत्ति,अभ्यास का सामान्य परिचय.**

इकाई-2 : **क)** **काव्य प्रयोजन : भारतीय एवं पाश्चात्य प्रयोजनों का सामान्य परिचय.** (10 Hrs)

ख) **काव्य के तत्व:भावतत्व, कल्पनातत्व, बुद्धितत्व एवं शैलीतत्व का सामान्य परिचय**

इकाई-3 : **क)** **काव्य का वर्गीकरण : वर्गीकरण के आधार-रमणीयता एवं स्वरुप, स्वरुप के आधार पर वर्गीकरण-श्रव्य काव्य एवं दृश्य काव्य.** (10 Hrs)

ख) **प्रबंधकाव्य एवं मुक्तक काव्य, प्रबंधकाव्य--महाकाव्य एवं खंडकाव्य, मुक्तक काव्य--गीत एवं गजल.**

संदर्भ पुस्तकें :

1) **काव्यशास्त्र : भागीरथ मिश्र.**

2) **भारतीय साहित्यशास्त्र (भाग 1 एवं 2) : बलदेव उपाध्याय**

3) **भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपतिचन्द्र गुप्त.**

4) **भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत : कृष्णदेव शर्मा.**

5) **काव्यशास्त्र : विविध आयाम : डॉ.मधु खराटे.**

6) **सुगम काव्यशास्त्र : डॉ.सुरेश माहेश्वरी.**

7) **भारतीय काव्यशास्त्र : उदयभानु सिंह**

8) **काव्यसमीक्षा के भारतीय मानदंड : डॉ.वासंती सालवेकर, डॉ.उर्मिला पाटिल.**

9) **भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ.विजयकुमार वेदालंकार**

DSC-08-HIN-MJ-232 : हिंदी उपन्यास विधा

(Hindi Novel Generes) (4 Credit)

उद्देश्य :

1) हिंदी उपन्यास विधा उद्भव एवं विकासक्रम से छात्रों को अवगत कराना |
2) उपन्यास के माध्यम से मानवीय संवेदना जगाना |
3) उपन्यास के माध्यम से छात्रों को नवयुवकों की जीवन शैली से परिचित कराना |
4) पठित उपन्यास के माध्यम से छात्रों को सामाजिक यथार्थ से परिचित करना |

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 :

क) हिंदी उपन्यास विधा का स्वरूप एवं परिभाषा (20 Hrs)

ख) हिंदी उपन्यास विधा के तत्व

ग) हिंदी उपन्यास का विकासक्रम : प्रेमचंद पूर्व युग, प्रेमचंद युग एवं प्रेमचंदोत्तर युग

इकाई-2 :

क) हिंदी उपन्यास विधा में उपन्यासकार काशीनाथ सिंह का योगदान (20 Hrs)

ख) 'रेहन पर रग्घू' उपन्यास की कथावस्तु, देशकाल चरित्र-चित्रण, संवाद

ग) 'रेहन पर रग्घू' उपन्यास का शीर्षक, संदेश, भाषा एवं उद्देश्य

इकाई-3 :

क) प्रतिनिधी रचना :- 'रेहन पर रग्घू' (उपन्यास) काशीनाथ सिंह- (20 Hrs)
(उपन्यास की भूमिका, समीक्षा, उपन्यासकार का परिचय)

ख) 'रेहन पर रग्घू' (उपन्यास)-मानवी मूल्य एवं चित्रित यथार्थ

ग) 'रेहन पर रग्घू' (उपन्यास) : संदर्भ एवं व्याख्या

संदर्भ पुस्तकें :

1) 'रेहन पर रग्घू' (उपन्यास)-काशीनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2) हिंदी गद्य साहित्य : डॉ.रामचंद्र तिवारी, वि.वि.प्रकाशन, वाराणसी
3) उपन्यास : स्वरूप और संवेदना : राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4) आज का हिंदी उपन्यास : डॉ.इंद्रनाथ मदान
5) आधुनिकता और हिंदी उपन्यास : डॉ.इंद्रनाथ मदान
6) हिंदी उपन्यास और यथार्थवाद - डॉ.त्रिभुवन सिंह
7) हिंदी उपन्यास : राष्ट्र और हाशिया - शंभुनाथ
8) हिंदी उपन्यास - डॉ.रामचंद्र तिवारी
9) समकालीन हिंदी साहित्य, इंद्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन (सन 2008)
10) रचना का अंतरंग, डॉ.देवेंद्र, लोकभारतीय प्रकाशन (सन 2025)
11) याद हो कि याद न हो, काशीनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन (सन 2016)
12) आधुनिक हिंदी साहित्य : प्रो.डॉ.शशिकांत 'सावन', माया प्रकाशन, कानपुर

DSC-09-HIN-IKS-233 :

भारतीय ज्ञान परंपरा : रस एवं अलंकार सिद्धांत (Credit-2)

(Indian Knowledge System : Theories of Ras & Alankar)

उद्देश्य: 1) **साहित्य की प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित कराना.**

2) **रस विषयक भारतीय ज्ञान परंपरा से छात्रों को अवगत कराना.**

3) **अलंकार विषयक भारतीय ज्ञान परंपरा से अवगत कराना.**

4) **छात्रों में काव्य के शास्त्रीय विवेचना संबंधी क्षमता का विकास करना.**

पाठ्यक्रम :

इकाई-1) : **क) रस सिद्धांत का परिचय : रस का उद्भव,रस की परिभाषा, रस का स्वरुप.** (10 Hrs)

ख) रस के अंग एवं रस के प्रकार

इकाई-2 : **क) अलंकार सिद्धांत का परिचय : अलंकार की परिभाषा, अलंकार का स्वरुप.** (10 Hrs)

ख) अलंकारों का वर्गीकरण एवं प्रकार.

इकाई-3 : **क) शृंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत एवं शांत रस का सोदाहरण परिचय.** (10 Hrs)

ख) यमक, श्लेष, अनुप्रास, उपमा, उत्प्रेक्षा, दृष्टांत, अतिशयोक्ति, संदेह एवं भ्रांतिमान अलंकारों का सोदाहरण परिचय.

संदर्भ पुस्तकें :

1) **काव्यशास्त्र : भागीरथ मिश्र**

2) **भारतीय साहित्यशास्त्र (भाग 1 एवं 2) : बलदेव उपाध्याय**

3) **भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपतिचन्द्र गुप्त**

4) **भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत : कृष्णदेव शर्मा**

5) **काव्यशास्त्र : विविध आयाम : डॉ.मधु खराटे**

6) **सुगम काव्यशास्त्र : डॉ.सुरेश माहेश्वरी**

7) **भारतीय काव्यशास्त्र : उदयभानु सिंह**

8) **काव्यसमीक्षा के भारतीय मानदंड : डॉ.वासंती सालवेकर,डॉ.उर्मिला पाटिल**

9) **भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ.विजयकुमार वेदालंकार**

VSC-1-HIN-VSC-234 : अनुवाद कौशल

(Skill of Translation) (2 Credit)

उद्देश्य :

1) अनुवाद की प्रविधि से छात्रों को परिचित कराना |
2) अनुवाद कौशल एवं महत्व से परिचित कराना |
3) अनुवाद से संबंधित उपलब्ध रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराना |
4) अनुवाद कार्य से संबंधित नवनवीन तकनीक एवं उपकरणों का साक्षात्कार द्वारा परिचय देना |

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 :
क) अनुवाद का उत्पतिगत अर्थ, संस्कृत, हिंदी एवं पाश्चात्य विद्वानों द्वारा दी गयी अनुवाद की परिभाषाएँ (10 Hrs)
ख) अनुवाद का स्वरूप एवं अनुवाद की प्रक्रिया

इकाई-2 :
क) अनुवाद के प्रकार : शब्दानुवाद, छायानुवाद, भावानुवाद (10 Hrs)
ख) अनुवाद कार्य में सहायक साधन, अनुवाद के गुण-दोष

इकाई-3 :
क) वैचारिक साहित्य का अनुवाद (ग्रंथालय में अनुवाद हेतु साक्षात्कार) (10 Hrs)
ख) मराठी तथा अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद (प्रात्यक्षिक कार्य)

संदर्भ पुस्तकें :

1) अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रविधि-भोलानाथ तिवारी
2) अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग-डॉ.जी.गोपीनाथन
3) अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ-डॉ.गिरीश सोलंकी
4) अनुवाद विज्ञान : स्वरूप और समस्याएँ-डॉ.रामगोपालसिंह जादौन
5) अनुवाद के विविध परिप्रेक्ष्य-डॉ.रामगोपालसिंह जादौन
6) अनुवाद : अवधारणा एवं विमर्श-श्रीनारायण समीर
7) अनुवाद : अनुभूति और अनुभवडॉ.सुरेश सिंघल
8) कार्यालयी हिंदी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीकडॉ.सुरेश माहेश्वरी
9) अनुवाद का समाजशास्त्र-डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे
10) अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार-एस.के.शर्मा
11) अनुवाद कला : कुछ विचार-आनंदप्रकाश खेमानी
12) अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ-श्रीनारायण समीर

SEC-01-HIN-SEC-235 : शोधनिबंध लेखन

(Research Essay Writting) (4 Credit)

उद्देश्य: 1) छात्रों में शोध के प्रति जिज्ञासा एवं रूची निर्माण कराना |

2) छात्रों में तर्कसंगत एवं शास्त्रीय दृष्टिकोन विकसित करना |

3) छात्रों में सत्याधिष्ठित शोधनिबंध लेखन क्षमता विकसित करना |

पाठ्यक्रम :

इकाई-1: शोधनिबंध :- अर्थ, स्वरूप, परिभाषा, विशेषताएँ, निबंध एवं शोध निबंध में अंतर (20 Hrs)

इकाई-2 : शोधनिबंध :- तत्व, प्रकार, शोध विषय, शोध निबंध का रूपरेखा, उपकरण (आयाम) (20 Hrs)

इकाई-3 : अध्ययनार्थ शोध निबंध :- (20 Hrs)

क) हिमांजली (शोध पत्रिका), भारतीय उच्चतम अध्ययन संस्थान, राष्ट्रपति भवन, शिमला (अंक-जुन 2015)

1) 'ओम प्रकाश वाल्मिकी की कविताओं में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना'

2) 'हिमाचल प्रदेश की बौद्ध धर्मिय भोटिया जनजातीय लोकसंस्कृति का अध्ययन'

ख) नागरी संगम (शोध पत्रिका) - नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली (जुन 2021)

1) 'सूचना प्रौद्योगिकी और नागरी लिपि'

2) 'अन्यथा गलतियाँ तो होंगी ही'

ग) राष्ट्रवाणी (शोध पत्रिका) - महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पूणे (अंक-दिसंबर 2014)

1) महाराष्ट्र के हिंदी आलोचक : डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे

2) राहूल सांकृत्यायन और उनका घुमक्कड शास्त्र

संदर्भ पुस्तकें :

1) शिक्षण एवं शोध अभिवृत्ति, संपादक एवं प्रकाशक-प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली (सन 2023)

2) अनुसंधान : स्वरूप और आयाम, संपादक-डॉ.उमाकांत गुप्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली (सन 2016)

3) शोध पद्धतियाँ - राजीव बंसल, एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन, आगरा (सन 2022)

4) यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक (मार्गदर्शन पुस्तिका - पदव्युत्तर शिक्षणक्रम) प्रकाशक-कुलसचिव, यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक (सितंबर 2015)

5) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया, रोहित मांगलिक, इंदु गोटिला प्रकाशन (सन 2024)

MIN-01-HIN-MN-236 : प्रयोजनमूलक हिंदी
(Functional Hindi) (2 Credit)

उद्देश्य : 1) विभिन्न जनसंचार माध्यमों से छात्रों को परिचित कराना |

2) जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा की जानकारी देना |

3) जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा प्रयोग के कौशल्यों का विकास कराना |

4) जनसंचार माध्यमों में रोजगार की संभावनाओं से छात्रों को परिचित कराना |

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : क) जनसंचार माध्यम की परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व (10 Hrs)

ख) प्रमुख जनसंचार माध्यमों का परिचय : समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, रेडिओ, दूरदर्शन, संगणक एवं इंटरनेट

इकाई-2 : क) जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा प्रयोग (10 Hrs)

ख) समाचार लेखन : समाचार लेखन के सिद्धांत, समाचार लेखक के गुण, समाचार संपादन, सम्पादकीय लेखन का स्वरूप एवं विशेषताएँ

इकाई-3 : क) समाचार लेखन ख) संपादकीय लेखन (10 Hrs)

ग) स्तंभ लेखन घ) साक्षात्कार लेखन

संदर्भ पुस्तकें :

1) दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन-राजेंद्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

2) आधुनिक जनसंचार और हिंदी-हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

3) संचार और संचार माध्यम-चंद्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन

4) जनसंचार माध्यमों में हिंदी-चंद्रकुमार मिश्र, क्लासिकल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली

5) पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंपर्क माध्यम-संजीव भानावत, पराग प्रकाशन, कानपुर

6) जनसंपर्क एवं विज्ञापन-सुधीर सोनी, पराग प्रकाशन, कानपुर

7) जनपत्रकारिता, जनसंचार एवं जनसंपर्क-सूर्यप्रकाश दीक्षित, पराग प्रकाशन

OE-03-HIN-OE-237 : हिंदी पटकथा लेखन
(Hindi Screen Writing) (2 Credit)

उद्देश्य : 1) फिल्म एवं धारावाहिक की पटकथाओं से छात्रों को परिचित करना |

2) छात्रों में पटकथा लेखन का कौशल विकसित करना |

3) पटकथा लेखन के क्षेत्रों तथा रोजगार से छात्रों को अवगत कराना |

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : पटकथा की परिभाषाएँ, पटकथा का स्वरूप, पटकथा के तत्व, पटकथा के प्रकार (7 Hrs)

इकाई-2 : कहानी का रूपांतरण, उपन्यास का रूपांतरण फिल्मी पटकथाओं की विशेषताएँ, वर्तमान समय के प्रसिद्ध हिंदी पटकथाकार (8 Hrs)

इकाई-3 : **क**) हिंदी की प्रसिद्ध फिल्मी पटकथा - (8 Hrs)

'मारे गए गुलफाम', कथाकार-फणिश्वरनाथ 'रेणू', फिल्म-तिसरी कसम

ख) हिंदी की प्रसिद्ध दूरदर्शनधारावाहिक पटकथा - (7 Hrs)

'तारक मेहता का उल्टा चष्मा', पटकथाकार-तारक मेहता

संदर्भ पुस्तकें :

1) कथा-पटकथा - मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन (2003)

2) पटकथा लेखन : एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन (2008)

3) फिल्मों में कथा-पटकथा लेखन - रतन प्रकाश, प्रभात प्रकाशन

4) पटकथा लेखन : डॉ.कुलदीप सिहना

5) हिंदी में पटकथा लेखन : डॉ.जाकिर अली 'रजनीश', उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

6) पटकथा लेखन (व्यावहारिक निर्देशिका) : असगर वजाहत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

7) You Tube : Hindi Film - Tisari Kasam

8) You Tube : Hindi Serial - Tarak Mehta Ka Ulta Chashma

9) फणिश्वरनाथ रेणू की प्रतिनिधि कहानियाँ : सं.अपराजित राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

AEC-03-HIN-AEC-238-B : हिंदी लघुकथाएँ

(Short Stories of Hindi) (2 Credit)

उद्देश्य : 1) छात्रों को लघुकथा विधा से परिचित कराना |

2) हिंदी लघुकथाओं के माध्यम से छात्रों को सृजनात्मक प्रक्रिया से अवगत कराना|

3) हिंदी लघुकथाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों का संवर्धन कराना|

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : क) लघुकथा का उद्भव एवं विकास (8 Hrs)

ख) लघुकथा के तत्वों का विवेचन

इकाई-2 : पाठ्यपुस्तक - हिंदी की प्रतिनिधि लघुकथाएँ : (1875-2015)- (11 Hrs)
सं.डॉ.रामकुमार घोटड

अध्ययनार्थ रचनाएँ :-

क) एक टोकरी भर मीट्टी-माधवराव सप्रे

ख) अधिकारी पाकर-माखनलाल चतुर्वेदी

ग) बडा क्या है ?-पं.हजारीप्रसाद द्विवेदी

घ) राष्ट्र का सेवक-मुंशी प्रेमचंद

च) बीज बनने की राह-रामधारी सिंह 'दिनकर'

छ) विश्वास-डॉ.सतीशराज पुष्करणा

इकाई-3 : **अध्ययनार्थ रचनाएँ :-** (11 Hrs)

ज) अपना पराया-हरिशंकर परसाई

छ) आम आदमी-शंकर पुणतांबेकर

ट) रिश्ता-चित्रा मुदगल

ठ) सुहागव्रत-डॉ.शकुंतला किरण

ड) आदमी बिकता है-मधुकांत

ढ) डर-रामयतन प्रसाद यादव

संदर्भ पुस्तकें :

1) हिंदी की प्रतिनिधि लघुकथाएँ (1875-2015)-संपादक-डॉ.रामकुमार घोटड

2) श्रेष्ठ लघुकथाएँ : मधु खंडेवाल, अजमेर लेखिका मंच

3) लघुकथा का बृहत संसार : सविता चड्ढा

4) लघुकथा : उद्भव और विकास : डॉ.आशा 'पुष्प'

5) समकालीन लघुकथा का समीक्षा सौंदर्य : जितेंद्र 'जीतू'

6) चचित व्यंग्य लघुकथाएँ : सं.डॉ.योगेंद्र मौंदगिल

7) संपूर्ण लघुकथाएँ : विष्णू प्रभाकर

8) आधुनिक हिंदी साहित्य : विविधा और विमर्श - प्रो.डॉ.शशिकांत 'सावन'

चतुर्थ सत्र (Sem-IV)

DSC-10-HIN-MJ-241 : भारतीय काव्यशास्त्र

(Indian Poetics) (2) (Credit-2)

उद्देश्य:1) **भारतीय काव्यशास्त्र के एतिहासिक विकासक्रम से छात्रों को परिचित कराना.**

2) **साहित्यविषयक प्राचीन चिंतन एवं निरिक्षण की परिपाटी का ज्ञान देना.**

3) **काव्य की शक्तियों एवं गुणों से परिचित कराना.**

4) **साहित्य कृतियों के मूल्यांकन की क्षमता का विकास छात्रों में करना.**

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : **क) भारतीय काव्यशास्त्र का विकासक्रम--प्रमुख आचार्य, उनके मत एवं ग्रंथ.** (10 Hrs)

ख) शब्दशक्ति : अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना का सामान्य परिचय.

इकाई-2 : **क) काव्यगुण : ओज,प्रसाद एवं माधुर्य का सामान्य परिचय.** (10 Hrs)

ख) काव्यदोष : काव्यदोषों का वर्गीकरण एवं विभिन्न प्रकारों का सामान्य परिचय.

इकाई-3 : **क) आलोचना की परिभाषा ,स्वरुप ,आलोचक के गुण.** (10 Hrs)

ख) आलोचना के प्रकार एवं आवश्यकता.

संदर्भ पुस्तकें :

1) **भारतीय काव्यशास्त्र : कृष्णदेव शर्मा.**

2) **भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा : राधावल्लभ त्रिपाठी,वि.वि.प्रकाशन,काशी.**

3) **भारतीय काव्यशास्त्र : योगेंद्रप्रताप सिंह,लोकभारती प्रकाशन.**

4) **भारतीय एवं पाशात्य काव्यशास्त्र तथा आलोचना : रामचंद्र तिवारी,वि.वि.प्रकाशन.**

5) **हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास : भागीरथ मिश्र,**

6) **भारतीय साहित्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय.**

7) **साहित्यशास्त्र : डॉ.चंद्रभानु सोनवणे.**

8) **संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास : कन्हैयालाल पोद्दार,वि.वि.प्रकाशन.**

9) **संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास : एस.के.डे,बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्,पटना.**

DSC-11-HIN-MJ-242 :

हिंदी नाटक विधा (Hindi Drama Generes) (4 Credit)

उद्देश्य :

1) **हिंदी की नाटक लेखन परंपरा से छात्रों को अवगत कराना**
2) **भारतीय को नाट्यकला से परिचित कराना**
3) **हिंदी के साहित्यिक नाटक एवं नाटककारों से छात्रों को अवगत कराना**
4) **'कबिरा खडा बाज़ार में' नाटक के माध्यम से कबीरदास की जीवन की विविध घटनाओं से परिचित कराना**
5) **छात्रों को नाटक के माध्यम से नाटक लेखन विधि एवं कौशल से अवगत कराना**

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : **क) हिंदी नाटक विधा का उद्भव, स्वरूप एवं परिभाषा** (20 Hrs)
ख) हिंदी नाटक विधा का तात्विक विवेचन
ग) हिंदी नाटक विधा का विकासक्रम-प्रसादपूर्व युग, प्रसाद युग एवं प्रसादोत्तर युग

इकाई-2 : **क) हिंदी के उल्लेखनीय लोकनाट्य** (20 Hrs)
ख) हिंदी की उल्लेखनीय नाट्य कृतियाँ
ग) हिंदी नाटकों की उपलब्धियाँ

इकाई-3 : **क) नाटककार भीष्म साहनी का हिंदी नाटक साहित्य में योगदान** (20 Hrs)
ख) 'कबिरा खड़ा बाज़ार में' की कथावस्तु, देशकाल, चरित्र चित्रण एवं संवाद योजना
ग) 'कबिरा खड़ा बाज़ार में' की विषयवस्तु, संदेश, उद्देश्य, शीर्षक तथा नाटक पर आधारित संदर्भ एवं व्याख्या |

प्रतिनिधि रचना : **'कबिरा खड़ा बाज़ार में' (नाटक) भीष्म साहनी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**

संदर्भ पुस्तकें :

1) 'एक और द्रोणाचार्य' : डॉ.शंकर शेष, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
2) डॉ.शंकर शेष कृत 'एक और द्रोणाचार्य' का रचना विधान : डॉ.शैलेष मो.पटेल, प्रकाशन-रावत, जयपुर, राजस्थान
3) एक और द्रौणाचार्य : एक विश्लेषण : डॉ.भगवती शरण उपाध्याय, आर.के.पब्लिकेशन, मुंबई
4) हिंदी नाटक : उद्भव और विकास : डॉ.दशरथ ओझा
5) समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच - डॉ.पंडित बन्ने
6) हिंदी नाटक - बच्चन सिंह
7) हिंदी नाटक कोश - डॉ.दशरथ ओझा
8) **'कबिरा खड़ा बाजार में' (नाटक) : भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
9) **भीष्म साहनी : सादगी का सौंदर्यशास्त्र, सं.हरिवंश राय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
10) **भारतीय लोकशास्त्रे, डॉ.वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली (सन 2021)**
11) **समकालीन हिंदी नाटक, लवकुमार लवलीन, भावना प्रकाशन, दिल्ली (सन 2019)**
12) **हिंदी नाट्य शिल्प, डॉ.देवेंद्रकुमार गुप्ता, पीयुष प्रकाशन, दिल्ली**
13) **हिंदी नाटक : नई परख, सं.डॉ.रमेश गौतम, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली**

VSC-02-HIN-VSC-244 : हिंदी का भाषिक संप्रेषण

(Linguistic Communication of Hindi) (Credit-2)

उद्देश्य:1) **हिंदी भाषा के स्वरूप से छात्रों को परिचित कराना**

2) **भाषिक संप्रेषण की सैद्धांतिकी से छात्रों को अवगत कराना**

3) **संप्रेषण के प्रमुख प्रकारों से छात्रों को परिचित कराना**

4) **मौखिक एवं लिखित संप्रेषण के विभिन्न रूपों से परिचित कराना**

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : **हिंदी का भाषिक स्वरूप : भाषा की परिभाषा, स्वरूप, विशेषताएँ, भाषा के विविध रूप : मातृभाषा, संचार भाषा, सृजनात्मक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, विश्वभाषा, भाषा के प्रकार्य.** (10 Hrs)

इकाई-2 : **संप्रेषण का सैद्धांतिक विवेचन : संप्रेषण का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, संप्रेषण की प्रक्रिया, संप्रेषण के प्रमुख तत्व, विशेषताएँ, महत्व एवं चुनौतियाँ** (10 Hrs)

इकाई-3 : **संप्रेषण के प्रमुख प्रकार : मौखिक संप्रेषण एवं लिखित संप्रेषण.** (10 Hrs)

क) मौखिक संप्रेषण : अर्थ एवं स्वरूप, मौखिक संप्रेषण हेतु आवश्यक गुण, लाभ एवं दोष, प्रकार-संवाद, बातचीत, उद्घेषणा, वक्तृत्व, वादविवाद

ख) लिखित संप्रेषण : अर्थ एवं स्वरूप, लिखित संप्रेषण हेतु आवश्यक गुण, लाभ एवं दोष, प्रकार-पत्र लेखन, समाचार लेखन, ई-मेल, ब्लॉग, फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम

संदर्भ पुस्तकें :

1) **हिंदी भाषा : भोलानाथ तिवारी**

2) **हिंदी भाषा का इतिहास : भोलानाथ तिवारी**

3) **भाषिकी हिंदी भाषा तथा भाषा विज्ञान : डॉ.अंबादास देशमुख**

4) **हिंदी भाषा और संप्रेषण : डॉ.सुनील कुलकर्णी**

5) **व्यावसायिक संप्रेषण : अनुपचंद्र भायाणी, राजपाल एंड संस, दिल्ली**

6) **समाचार लेखन एवं संपादन : नवीनचंद्र पंत, शैलजा प्रकाशन, कानपुर**

7) **प्रशासनिक हिंदी : पुष्पकुमारी, क्लासिक पब्लिशर्स, जयपुर**

SEC-02-HIN-SEC-245 : पुस्तक समीक्षा लेखन

(Book Review Writing) (Credit-2)

उद्देश्य: 1) **उत्तम एवं अच्छीपुस्तकों के प्रति छात्रों में जागरूकता उत्पन्न करना.**

2) **पुस्तकों के परीक्षण एवं लेखन की क्षमता का विकास करना.**

3) **निरुपयोगी एवं निकृष्ट पुस्तकों के प्रति सावधान करना.**

4) **पुस्तकों की उत्कृष्टता एवं स्तरीयता से परिचित कराना.**

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : **क) पुस्तक समीक्षा से तात्पर्य,परिभाषा,स्वरुप एवं पुस्तक समीक्षा के प्रकार.** (10 Hrs)

ख) पुस्तक समीक्षा का प्रारूप या विधि,पुस्तक समीक्षा की विशेषताएँ.

इकाई-2 : **क) पत्र-पत्रिकाओं की समीक्षा,पुस्तक समीक्षा का प्रकाशन एवं महत्व.** (10 Hrs)

ख) पुस्तक समीक्षक के गुण,पुस्तक समीक्षा एवं आलोचना में अंतर.

इकाई-3 : **क) पुस्तक समीक्षा : (उपन्यास) - 'निम्नवर्णीय स्त्री का प्रामाणिक आख्यान'** (10 Hrs) **(पुस्तक वार्ता)**

ख) पुस्तक समीक्षा : (काव्य) - 'चिंताएँ देशकाल की'- (पुस्तक वार्ता)

ग) पुस्तक समीक्षा : (निबंध) - 'प्यास का जायका पानी की तरह होता है' - (पुस्तक वार्ता)

घ) पुस्तक समीक्षा:(नाटक) 'मंदिर से अस्पताल तक' (मूल्यांकन के विविध आयाम)

संदर्भ पुस्तकें :

1) **पुस्तक समीक्षा का परिदृश्य : सं. विश्वनाथप्रसाद तिवारी,किताबघर प्रकाशन,नई दिल्ली.**

2) **पुस्तक समीक्षा का इतिहास : डॉ.श्रीमती संतोष संघी,चंपालाल रांका एंड कं.धामानी मार्केट, चौड़ा रास्ता,जयपुर.**

3) **पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं की समीक्षा : इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की पुस्तक.**

4) **पुस्तक वार्ता (अंक-दिसंबर** 2018, **फरवरी**-2018, **दिसंबर**-2019) **(प्रकाशन-महात्मा गांधी अं.हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा)**

5) **मंदिर से अस्पताल तक : मूल्यांकन के विविध आयाम, सं-डॉ.हरिराम मीना, अधिकरण प्रकाशन, नई दिल्ली** (**सन** 2024)

6) **समय से संवाद - डॉ.जयराम सूर्यवंशी, लोकमित्र प्रकाशन, दिल्ली**

MIN-02-HIN-MN-246 : कथेतर हिंदी गद्य विधाएँ
(Non-Fiction Hindi Prose Generes) (2 Credit)

उद्देश्य:1) **कथेतर गद्य की अध्ययनार्थ विधाएँ (आत्मकथा एवं डायरी) का छात्रों का परिचय कराना**

2) **अध्ययनार्थ विधाओं द्वारा छात्रों में सृजनात्मक कौशल्यों का विकास कराना**

3) **अध्ययनार्थ रचनाओं के द्वारा मूल्यांकन एवं विश्लेषण की क्षमता छात्रों में विकसित कराना**

4) **छात्रों में लेखन एवं समीक्षण वृत्तियों का विकास कराना**

पाठ्यक्रम:

इकाई-1 : **डायरी एवं आत्मकथा :- परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व,** (10 Hrs)

इकाई-2 : **प्रतिनिधि रचना :- 'निवेदन' (आत्मकथा का मूल अंश)** (10 Hrs)
सं.डॉ.संजय गजभिये, सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई-3 : **'अपने समय का सच' (डायरी का मूल अंश) - आ.राधेश्याम कथावाचक,** (10 Hrs)
संपादन-डॉ.हरिशंकर शर्मा, बोधी प्रकाशन, जयपुर

संदर्भ पुस्तकें :

1) **हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी, वि.वि.प्रकाशन, काशी**
2) **साहित्यिक विधाएँ : पूनर्विचार - डॉ.हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
3) **साहित्य में गद्य की नई विधाएँ - कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन**
4) **साहित्यिक विधाएँ : सैद्धांतिक पक्ष - मधु धवन, वाणी प्रकाशन**
5) **हिंदी गद्य का उद्भव और विकास : उमेश शास्त्री**
6) **वस्तुनिष्ठ हिंदी : आत्मकथा, जीवनी एवं अन्य विधाएँ-डॉ.प्रभातकुमार**
7) **डायरी : अंतर्जीवन के साक्ष्य-सं.हिमांशु जोशी, बी.के.ऑफसेट, दिल्ली**
8) **आधुनिक हिंदी साहित्य : विविधा और विमर्श - प्रो.डॉ.शशिकांत 'सावन'**
9) **चिंतनपरकता के आयाम - डॉ.कुबेर कुमावत, श्री साहित्य प्रकाशन, दिल्ली**

OE-04-HIN-OE-247 : हिंदी का व्यावसायिक लेखन (Commercial Writing in Hindi) (2 Credit)

उद्देश्य :

1) छात्रों को वर्तमान हिंदी की व्यावसायिक लेखन विधाओं से परिचित कराना
2) रिपोर्ट-लेखन एवं प्रोजेक्ट-लेखन एवं ब्लॉग लेखन का कौशल छात्रों में विकसित कराना
3) हिंदी की इन तीनों व्यावसायिक विधाओं संबंधित रोजगार के अवसरों से छात्रों को परिचित करना
4) छात्रों में व्यावसायिक सृजनशिलता का विकास कराना

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : रिपोर्ट-लेखन :- स्वरूप, विशेषताएँ, कार्यप्रणाली, विशेष रिपोर्ट, महत्व (10 Hrs)

इकाई-2 : प्रोजेक्ट-लेखन :- स्वरूप, विशेषताएँ, कार्यप्रणाली, विशेष प्रोजेक्टस्, महत्व (10 Hrs)

इकाई-3 : क) 'रिपोर्ट-लेखन' (10 Hrs)

विषय: "विश्वविद्यालय के युवा महोत्सव अथवा महाविद्यालय के स्नेहसंमेलन / कार्यशाला / रक्तदान शिबिर का रिपोर्ट लेखन"

ख) (छात्रों को मार्गदर्शन कर, 'प्रोजेक्ट-लेखन' करवा लेना)

विषय: "इक्कीसवी सदी के हिंदी साहित्य में महाराष्ट्रीयन / गुजराथी / बंगाली / पंजाबी / मद्रासी साहित्यकारों का योगदान"

संदर्भ पुस्तकें :

1) व्यावसायिक हिंदी : डॉ.कमला कौशिक, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली
2) व्यावसायिक हिंदी : प्रो.सौ.रहमतुल्ला, रेख्ता बुक
3) संप्रेषणमूलक व्यावसायिक हिंदी : ओरिएंट ब्लैक स्वॉन प्रकाशन
4) व्यावसायिक संज्ञापन : प्रो.सुरेश भिरूड, डायमंड पब्लिकेशन
5) अनुवाद कला : सं.जयंती प्रसाद नौटियाल
6) ब्लॉग लेखन की ए.बी.सी. : रोहित मेहता
7) व्यावसायिक पत्रव्यवहार व अहवाल लेखन : प्रा.शिल्पा कुलकर्णी, डायमंड पब्लिकेशन
8) व्यावसायिक संप्रेषण - डॉ.प्रवीण कुमार, डॉ.अवनीश कुमार, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
9) परियोजना (प्रोजेक्ट) लेखन : श्रुतिकांत पांडेय

AEC-04-HIN-AEC-248-B : हिंदी गीत-नवगीत

(Lyrics and New Lyrics) (2 Credit)

उद्देश्य :

1) हिंदी के गीत-नवगीत से छात्रों को अवगत कराना |
2) गीत-नवगीत के लेखकों को परिचित कराना |
3) गीत-नवगीत के स्वरूप का परिचय देना |
4) गीत-नवगीत सृजनात्मक लेखन के प्रति छात्रों में रूचि विकसित करना |

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : क) गीत एवं नवगीत का उद्भव एवं विकास (8 Hrs)

ख) गीत एवं नवगीत में अंतर

इकाई-2 : पाठ्यपुस्तक-'गीत-नवगीत' (संकलन)-सं-डॉ.सुनील बाबुराव कुलकर्णी (11 Hrs)

अध्ययनार्थ कविताएँ :-

क) मातृ वंदना, बसंत आया-सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

ख) बदरिया थम-थमकर झररी, पुष्पा की अभिलाषा-माखनलाल चतुर्वेदी

ग) खेत हरियाए तो मन हरियाए, साथी, घर-घर आज दीवाली-हरिवंशराय बच्चन

घ) बहुत गहरे हैं पिता-अनूप अशेष

इकाई-3 : पाठ्यपुस्तक-'गीत-नवगीत' (संकलन)-सं-डॉ.सुनील बाबुराव कुलकर्णी, (11 Hrs)
यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली-110032

अध्ययनार्थ कविताएँ :-

च) तम छटेगा, छोड आए हैं-श्रीराम परिहार

छ) जीवन नहीं मरा करता है, पथपर चलना तुझे तो मुस्कुराकर, चल मुसाफिर-गोपालदास सक्सेना 'नीरज'

ज) मन समर्पित, तन समर्पित, एक भी आँसू न कर बेकार-रामावतार त्यागी

झ) गंगोत्री में पलना झूले-उमाकांत मालवीय

संदर्भ पुस्तकें :

1) गीत-नवगीत (संकलन)-संपादक-डॉ.सुनील बाबुराव कुलकर्णी, यश पब्लिकेशन, दिल्ली
2) नवगीत : शिल्प और जीवन : डॉ.ब्रिजेश शर्मा, किताब राईटिंग पब्लिकेशन
3) नवगीत : संवेदना और शिल्प : सत्येंद्र शर्मा, साहित्य संगम प्रकाशन, वाराणसी
4) समकालीन नवगीत का विकास : राजेश सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5) नई कविता और नवगीत : डॉ.गीता अस्थाना, विद्या प्रकाशन, कानपूर
6) नवगीत का दस्तावेज : डॉ.इंदीवर, विजय प्रकाशन
7) नवगीत के नये प्रतिमान - राधेश्याम बंधु
8) नवगीत की पृष्ठभूमि - मधुकर अष्ठाना

Question Papers and Marks Distribution

UG-Diploma (SYBA) NEP-2020 के अनुसार

प्रश्नपत्रिका का स्वरुप एवं अंक विभाजन

DSC-7 : (तृतीय सत्र) - भारतीय काव्यशास्त्र - 1

तथा

DSC-10 : (चतुर्थ सत्र) - भारतीय काव्यशास्त्र - 2

समय : 2 घंटे **(क्रेडिट-2)** **कुल अंक : 30**

प्रश्न क्र.1) :	क) इकाई क्र.1 से 3 पर बहुविकल्पीय प्रश्न (8 में से 6)	अंक-06
	ख) इकाई क्र.1 से 3 पर एकवाक्योत्तरी प्रश्न (8 में से 6)	
प्रश्न क्र.2) :	इकाई क्र.1 पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	अंक-06
प्रश्न क्र.3) :	इकाई क्र.2 पर लघुत्तरी प्रश्न.(3 में से 2)	अंक-06
प्रश्न क्र.4) :	इकाई क्र.3 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	अंक-06
प्रश्न क्र.5) :	इकाई क्र.1 से 3 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	अंक-06

DSC-8 : (तृतीय सत्र) - हिंदी उपन्यास विधा

तथा

DSC-11 : (चतुर्थ सत्र) - हिंदी नाटक विधा

समय : 3 घंटे **(क्रेडिट-4)** **कुल अंक : 60**

प्रश्न क्र.1) :	इकाई क्र.1 से इकाई-3 पर प्रश्न	अंक-12
	क) बहुविकल्पीय प्रश्न (8 में से 6)	
	ख) एकवाक्योत्तरी प्रश्न (8 में से 6)	
प्रश्न क्र.2) :	इकाई क्र.1 पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	अंक-12
प्रश्न क्र.3) :	इकाई क्र.2 पर लघुत्तरी प्रश्न.(3 में से 2)	
अंक-12		
प्रश्न क्र.4) :	इकाई क्र.3 पर लघुत्तरी प्रश्न.(3 में से 2)	अंक-12
प्रश्न क्र.5) :	इकाई क्र.3 पर ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	अंक-12

MIN-3 : (तृतीय सत्र) HIN-236 प्रयोजनमूलक हिंदी

तथा

MIN-4 : (चतुर्थ सत्र) HIN-246 कथेतर हिंदी गद्य विधाएँ

समय : 2 घंटे **(क्रेडिट-2)** **कुल अंक : 30**

प्रश्न क्र.1 : क) इकाई क्र.1 से 3 पर पर बहुविकल्पीय प्रश्न (8 में से 6) अंक-06

ख) इकाई क्र.1 से 3 पर एकवाक्योत्तरी प्रश्न (8 में से 6)

प्रश्न क्र.2 : इकाई क्र.1 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न

अंक-06

प्रश्न क्र.3 : इकाई क्र.2 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) अंक-06

प्रश्न क्र.4 : इकाई 3 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) अंक-06

प्रश्न क्र.5 : इकाई 1 से 3 टिप्पणियाँ (3 में से 2) अंक-06

OE-3 : (तृतीय सत्र) - हिंदी पटकथा लेखन

तथा

OE-4 : (चतुर्थ सत्र) - हिंदी का व्यावसायिक लेखन

* **इस प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय (MCQs TYPE) प्रकार के कुल 30 प्रश्न होंगे | प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा | समय डेढ़ घंटा होगा | यह दोनो प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट के होंगे |**

VSC-01 : (तृतीय सत्र) - अनुवाद कौशल

समय : 3 घंटे **(क्रेडिट-4)** **कुल अंक : 60**

प्रश्न क्र.1) : इकाई क्र.1 से इकाई-3 पर प्रश्न अंक-12

क) बहुविकल्पीय प्रश्न (8 में से 6)

ख) एकवाक्योत्तरी प्रश्न (8 में से 6)

प्रश्न क्र.2) : इकाई क्र.1 पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न अंक-12

प्रश्न क्र.3) : इकाई क्र.2 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) अंक-12

प्रश्न क्र.4) : इकाई क्र.3 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) अंक-12

प्रश्न क्र.5 : इकाई 1 से 3 टिप्पणियाँ (3 में से 2) अंक-12

AEC-3-MIL : (तृतीय सत्र) - हिंदी की लघुकथाएँ

तथा

AEC-4-MIL : (चतुर्थ सत्र) - हिंदी गीत-नवगीत

समय : 2 घंटे **(क्रेडिट-2)** **कुल अंक : 30**

प्रश्न क्र.1 : इकाई क्र.1 से 3 पर पर वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रश्न (8 में से 6) अंक-6

प्रश्न क्र.2 : इकाई क्र.1 से 3 पर एक वाक्योत्तरी प्रश्न (8 में से 6) अंक-6

प्रश्न क्र.3 : इकाई क्र.1 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) अंक-6

प्रश्न क्र.4 : इकाई क्र.2 एवं 3 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) अंक-6

प्रश्न क्र.5 : इकाई क्र.2 एवं 3 पर ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2) अंक-6

अंतर्गत मूल्यांकन (Internal Evaluation) एवं मुख्य परीक्षा :

1) 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों का अंतर्गत मूल्यांकन 40 अंकों का होगा. इन 40 अंकों में 20 अंक की एक टेस्ट, 10 अंक की असाइनमेंट और 10 अंक उपस्थिति एवं आचरण (Attendence + Behaviour) को मिलाकर दिए जायेंगे.उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 16 अंक अर्जित करने होंगे | कुल 100 अंकों में से 40 प्राप्तांकवाला विद्यार्थी उत्तीर्ण होगा |

- मुख्य परीक्षा : मुख्य परीक्षा (Ext.Exam.) 60 अंकों की होगी, जिसमें से न्युनतम 24 अंक अर्जित करने होंगे | कुल 100 अंकों में से 40 प्राप्तांक पानेवाला विद्यार्थी उत्तीर्ण होगा |

2) 2 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों का अंतर्गत मूल्यांकन 20 अंकों का होगा. इन 20 अंकों में 10 अंक की एक टेस्ट और 10 अंक उपस्थिति एवं आचरण (Attendence + Behaviour) को मिलाकर दिए जायेंगे. उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 8 अंक अर्जित करने होंगे |

- मुख्य परीक्षा : मुख्य परीक्षा (Ext.Exam.) 30 अंकों की होगी, जिसमें से न्युनतम 12 अंक अर्जित करने होंगे | कुल 50 अंकों में से 20 प्राप्तांक पानेवाला विद्यार्थी उत्तीर्ण होगा |

3) चतुर्थ सत्र (Sem. IV) Project Work (Hindi) - HIN-243 "डाकघर/बीमा कार्यालयों में वर्तमान हिंदी की कार्यप्रणाली : एक अध्ययन" विषय पर आधारित समुदायकेंद्री साहित्यिक एवं सामाजिक कार्य विद्यार्थियों को पूर्ण करना होगा | प्रोजेक्ट वर्क (परियोजना कार्य) हिंदी विषय के अध्यापक विद्यार्थियों को मार्गदर्शन कर, विविध सामाजिक/कार्यालय केंद्री कार्य पुर्ण करा लेंगे | इस में अंतर्गत मूल्यमापन, समुदाय-साक्षात्कार, जानकारी-संकलन एवं अंत में 'सामाजिक कार्य/समस्या की प्रस्तुति' (संक्षिप्त प्रतिवेदन / अहवाल) (Report Writing) लिखित रूप में 40/50 पृष्ठों में छात्रों को प्रस्तुत करनी होगी | 4 क्रेडिट के इस पेपर में कुल 100 अंक होंगे | इसमें लेक्चर्स, उपस्थिति, जानकारी-संकलन एवं रिपोर्ट (प्रतिवेदन) प्रस्तुति का समावेश है | कुल 100 अंकों में से 40 अंक पानेवाला विद्यार्थी उत्तीर्ण होगा | इसकी अंतर्गत एवं बहि:स्थ परीक्षा होगी |

(हिंदी अध्ययन मंडल, प्रताप स्वशासी महाविद्यालय, अमलनेर के पाठ्यक्रम विषयक सूचनाओं, सुझावों एवं चर्चाओं के आधारपर इस पाठ्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया है)

प्रो.डॉ.शशिकांत सोनवणे 'सावन'
अध्यक्ष
हिंदी अध्ययन मंडल (B.O.S.)
प्रताप महाविद्यालय (स्वशासी),
अमलनेर, जिला-जलगाँव (महाराष्ट्र)